Roll No. : ..... Total Pages : 7

1641-P

First Year Arts Examination, 2018

SANSKRIT–I

Paper–I

(काव्य, नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(इकाई–I)

(i) पंडितों का आभूषण क्या है ?

(ii) इस परिवर्तनशील संसार में वस्तुस्थिति में कौन उत्पन्न हुआ है ?

(इकाई–II)

(iii) धन की कितनी गतियाँ होती हैं ? उनके नाम लिखिए।

(iv) विद्या से अलंकृत भी दुर्जन को क्यों छोड़ देना चाहिए ?

(इकाई–III)

(v) ब्रह्मचारी वेद के विशेष अध्ययन के लिए किस गाँव से आ रहा था ?

(vi) वासवदत्ता के विरह में सन्तप्त राजा उदयन की देखभाल कौन कर रहा था ?

(इकाई–IV)

(vii) राजकुमारी पद्मावती की शय्या कहाँ बिछी थी ?

(viii) वासवदत्ता की माँ का क्या नाम है ?

(इकाई–V)

(ix) 'भक्तिव्यम्' में प्रकृति-प्रत्यय बताइए।

(x) 'वक्ष्यतीति' सन्धि-विच्छेद कर नाम लिखिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

केयूरा न विभूषयन्ति पुरुषं हारा न श्चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं, न विलेपनं न कुसुमं नालंकृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सतंत वाग्भूषणं भूषणम्।।

अथवा

जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यम्
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिम्,
सत्संगतिः कथय किम् न करोति पुंसाम्।।

(इकाई–II)

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भवन्ति नम्रास्तखः फलोद्गमैः
नवाम्बुभिर्इर-विलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः,
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

अथवा

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु,
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

(इकाई–III)

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी –
च्छलाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।।

अथवा

कामेनोज्जयिनीं गते मयि तदा कामप्यवस्थां गते
दृष्ट्वा स्वैरमवन्तिराजतनयां पञ्चेषवः पातिताः।
तैरद्यापि सशल्यमेव हृदय भूयश्च विद्धा वयं,
पञ्चेषुर्मदनो यदा कथमयं षष्ठः शरः पातितः।।

(इकाई–IV)

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां
भ्रष्टां क्षितौ त्वमवगच्छसि मूर्ख। सर्पम्।
मन्दानिलेन निशि वा परिवर्तमाना
किञ्चित् करोति भुजगस्य विचेष्टिनि।।

अथवा

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्य धर्मो वनानां
काले-काले छिधते रूह्यते च।।

(इकाई–V)

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का प्रकृतिप्रत्यय, सन्धि-विच्छेद, समास-विग्रह कीजिए :

(i) लब्ध्वा।

(ii) उन्नतिः।

(iii) जीर्णम्।

(iv) पीडयन्।

(v) महार्णवे।

(vi) प्रत्यहम्।

(vii) त्रिभुवनम्।

(viii) पद्माकरम्।

(ix) ब्रह्माऽपि।

(x) अद्यैव।

खण्ड-स

(इकाई–I)

7. नीतिशतक की 'अर्थपद्धति' का वर्णन कीजिए।

(इकाई–II)

8. नीतिशतक की 'कर्मपद्धति' पर प्रकाश डालिए।

(इकाई–III)

9. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर 'वासवदत्ता' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(इकाई–IV)

10. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के आधार पर भास की नाट्यशैली पर प्रकाश डालिए।

11. निम्नलिखित शब्दों में प्रकृति प्रत्यय, सन्धि-विच्छेद, समास बताइए :

(i) प्रच्छन्नम्।

(ii) गतः।

(iii) विमोक्तुम्।

(iv) पठनीयः।

(v) नीतिनिपुणाः।

(vi) रूपतुल्यता।

(vii) चतुश्शालम्।

(viii) अत्याहितम्।

(ix) नार्हसि।

(x) चातुशतैश्च।